आर.एन.आई. पंजीयन क्र. 39596/82 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)

साप्ताहिक

मालव आँचल

वर्ष 47 अंक 19 (प्रति रविवार) इंदौर, 28 जनवरी से 03 फरवरी 2024 पृष्ठ-8 मूल्य 3 रुपये

कर्तव्य पथ पर महिला सशक्तिकरण की 'मंगल ध्वनि', परेड के बाद लोगों से मिले पीएम मोदी

भारत का 75वां गणतंत्र दिवस ताकत, विविधता को दर्शाता है

नई दिल्ली। भारत के 75वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर, राष्ट्र ने अपनी सैन्य शक्ति और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत दोनों के मनोरम प्रदर्शन के साथ इस दिन को शानदार ढंग से मनाया। कर्तव्य पथ, एक औपचारिक मार्ग जो नई दिल्ली के मध्य में रायसीना हिल पर राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट के माध्यम से चलता है, इस तमाशे का गवाह बना, जिसने हजारों दर्शकों को आकर्षित किया, जो जीवंत परेड से आश्चर्यचकित थे। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रपति मैक्रॉन के साथ एक औपचारिक घोड़ा-गाड़ी में थीं, जो ब्रिटिश काल का एक अवशेष था, जो ऑटोमोबाइल द्वारा प्रतिस्थापित किए जाने के चार दशकों के बाद अपनी भव्य वापसी कर रहा था।

केसरिया और पीली पगड़ी पहने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दर्शक दीर्घा में राष्ट्रपति मैक्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। भारत के लिए विदेशी नेताओं को निमंत्रण देना एक परंपरा बन गई है, मैक्रॉन उस प्रतिष्ठित सूची में शामिल हो गए हैं जिसमें पिछले वर्षों में अब्देल फतह अल-सिसी, फ्रांस्वा ओलांद और बराक ओबामा जैसे नेता शामिल हैं। परेड में टैंकों, मिसाइल प्रणालियों, पैदल सेना के लड़ाकू वाहनों और

मध्यम दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणालियों सहित सैन्य हार्डवेयर की एक प्रभावशाली श्रृंखला का प्रदर्शन किया गया। उनके साथ सैकड़ों पुलिस और सैन्यकर्मी सटीक मार्च कर रहे थे। इस तमाशे में मोटरबाइकों पर साहसी स्टंट कलाकार भी शामिल थे, जिसमें 250 से अधिक महिलाओं की एक प्रभावशाली टुकड़ी ने भाग लिया। राष्ट्रपति मैक्रोन, जिन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बिडेन के स्टेट ऑफ द यूनियन संबोधन और पुनः चुनाव की बोली के कारण अनुपलब्धता के बाद अल्प सूचना पर भारत के निमंत्रण को स्वीकार कर लिया। उन्होंने अपना आभार व्यक्त करते हुए कहा, फ्रांस के लिए यह एक बड़ा सम्मान है। धन्यवाद, भारत। इससे पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कर्तव्य पथ पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया. ध्वज फहराने के बाद राष्ट्रगान गाया गया और स्वदेशी बंदूक प्रणाली 105-एमएम इंडियन फील्ड गन के साथ 21 तोपों की सलामी दी गई। इसके बाद 105 हेलीकॉप्टर यूनिट के चार एमआई-17 ढ्ढ्ढ हेलीकॉप्टरों ने कर्तव्य पथ पर मौजूद दर्शकों पर फूलों की वर्षा की। गणतंत्र दिवस परेड के समापन के बाद, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी कार्तव्य पथ के औपचारिक मार्ग पर चले और देश की सैन्य शक्ति और इसकी विविध संस्कृति के आकर्षक प्रदर्शन में भाग लेने आए दर्शकों का हाथ हिलाया। दर्शक तालियों और भारत माता की जय के नारों के साथ प्रधानमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए जयकारे लगाने लगे। कुछ देर बाद प्रधानमंत्री कर्त्तव्य पथ के दूसरी ओर चले गए और बाड़े में मौजूद दर्शकों की ओर हाथ हिलाते रहे। पीएम मोदी, जो अपनी पोशाक पसंद के लिए जाने जाते हैं, ने प्रमुख रंग पीले रंग के साथ बहुरंगी पगड़ी पहनने का विकल्प चुना। लंबी पूंछ वाली सुंदर राजस्थानी बंदिनी प्रिंट पगड़ी के साथ, पीएम ने कुर्ता पायजामा पहना हुआ था, जिसे उन्होंने भूरे रंग की नेहरू जैकेट के साथ जोड़ा था।

ये कोई प्लेटफॉर्म नहीं है कि जो ट्रेन आई चढ़ गए...

नई दिल्ली। सीजेआई डी वाई चंद्रचूड़ ऐसे चीफ जस्टिस हैं, जो अपने तेज-तर्रार तेवरों के लिए जाने जाते हैं। वे सुप्रीम कोर्ट में अनुशासन को काफी महत्व देते हैं और यही वजह है कि जब इसे कोई तोड़ने की कोशिश करता है, तो वे उसे फटकार लगाना भी नहीं भूलते। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में एक वकील पर सीजेआई चंद्रचूड़ भड़क गए और क्लास लगा दी। उन्होंने यहां तक कह दिया कि ये कोई प्लेटफॉर्म नहीं है कि बस चढ़ गए जो भी ट्रेन आ गई। अदालतों पर रिपोर्ट करने वाली वेबसाइट बार एंड बेंच के अनुसार, एक वकील ने ज्यूडिशियरी में रिफॉर्म से संबंधित याचिका को मेंशन करने की कोशिश की। वकील ने कहा कि मैं ज्यूडिशियरी के खिलाफ नहीं हूं। इस पर सीजेआई चंद्रचूड ने सवाल पूछा कि क्या कोई याचिका ऑन बोर्ड है? आप ऐसे कैसे दोपहर 12 बजे इसे मेंशन कर सकते हैं? इसके बाद वकील ने फिर जवाब दिया कि जैसा कि मैंने कहा कि मैं ज्यूडिशियरी के खिलाफ नहीं हूं। इस पर सीजेआई चंद्रचूड़ ने फटकार लगाते हुए कहा कि यह प्वाइंट नहीं है। लेकिन आप ऐसे कैसे मेंशन कर सकते हैं? क्या आप सुप्रीम कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं? आप खड़े हुए और मेंशन कर दी। हम फाइन लगाएंगे जो कि एससीबीए को देना होगा। इस पर फिर वकील ने बचाव करते हुए कहा कि मैं ज्यूडिशियरी के खिलाफ नहीं हूं। मैं दिल्ली हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करता हूं। सीजेआई चंद्रचूड़ ने फिर पूछा कि तो आप दिल्ली हाई कोर्ट में इसी तरह बस खड़े होकर याचिका मेंशन कर देते हैं? सीजेआई चंद्रचूड़ ने वकील के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा, ये कोई प्लेटफॉर्म नहीं है कि बस चढ़ गए जो भी ट्रेन आ गई। कृपया अपने सीनियर से चर्चा करें कि कैसे इसे किया जाता है।

राज्यसभा चुनाव के लिए तारीखों का ऐलान, 13 राज्यों की 56 सीटों पर 27 फरवरी को वोटिंग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने सोमवार (29 जनवरी) को 15 राज्यों की 56 राज्यसभा सीटों के लिए तारीख की घोषणा की। चुनाव 27 फरवरी को होंगे और वोटों की गिनती भी उसी दिन होगी। 56 सदस्यों का कार्यकाल अप्रैल, 2024 में उनकी सेवानिवृत्ति पर समाप्त होने वाला है। चुनाव आयोग के पत्र के मुताबिक नामांकन 8 फरवरी से शुरू होंगे। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन की आखिरी तारीख 15 फरवरी है। नामांकन पत्रों की जांच 16 फरवरी को होगी। नामांकन पत्रों की जांच 16 फरवरी को होगी। नामांकन वापस लेने की आखिरी तारीख 20 फरवरी रखी गई है। मतदान 27 फरवरी को सुबह 9 बजे से शाम 4 बजे के बीच होगा और वोटों की गिनती उसी दिन शाम 5 बजे होगी। जिन 56 सीटों पर चुनाव होने है उनमें आंध्र प्रदेश में 3, बिहार में 6,

छत्तीसगढ़ में 1, गुजरात में 4, हरियाणा में 1, हिमाचल प्रदेश में 1, कर्नाटक में 4, मध्य प्रदेश में 5, महाराष्ट्र में 6 और तेलंगाना की 3 सीटें शामिल हैं। इसके अलावा उत्तर प्रदेश की 10, उत्तराखंड की 1, पश्चिम बंगाल की 5, ओडिशा की 3 और राजस्थान की 3 सीटें भी शामिल हैं। राज्यसभा संसद का स्थायी सदन है जिसमें सदस्यों की नियुक्ति 6 वर्ष के कार्यकाल के लिए की जाती है। प्रत्येक दो वर्ष में एक तिहाई सदस्य सेवानिवृत्त हो जाते हैं, जिससे इसकी कार्यवाही की निरंतरता सुनिश्चित होती है। 50 राज्यसभा सदस्यों का कार्यकाल 2 अप्रैल को समाप्त होने वाला है जबकि शेष छह का कार्यकाल 3 अप्रैल को समाप्त होगा। मौजूदा राज्यसभा में कुल 238 निर्वाचित सदस्य हैं, जिनमें सबसे ज्यादा 93 सीटें बीजेपी के पास हैं, उसके बाद 30 सीटों के साथ कांग्रेस, 13 सीटों के साथ तृणमूल कांग्रेस, 10 सीटों के साथ आम आदमी पार्टी, 10 सीटों के साथ द्रविड़ मुनेत्र कड़गम का नंबर आता है। इसके अलावा, राष्ट्रपति कला, साहित्य, विज्ञान और सामाजिक सेवाओं में उनके योगदान के लिए 12 सदस्यों को संसद के ऊपरी सदन में नामांकित करते हैं। राज्यसभा, लोकतंत्र के संसदीय स्वरूप में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है और इसे अक्सर बुजुर्गों का घर माना जाता है। राज्यसभा, लोक सभा द्वारा पारित विधेयकों की जांच करने और आवश्यक समझे जाने पर सिफारिशें देने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाती है।

संपादकीय

भाजपा के बंधक बने नीतीश कुमार?

विपक्षी दलों के गठबंधन को छोड़कर प्रधानमंत्री की इच्छा रखने वाले नीतीश कुमार एक बार फिर एनडीए गठबंधन में चले गए हैं। उन्होंने नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उनके साथ दो उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं। दोनों ही उपमुख्यमंत्री तेज तर्रार हैं। वह लगातार नीतीश कुमार के खिलाफ उपमुख्यमंत्री बनने के पहले तक मोर्चा खोलकर रखे हुए थे। नीतीश कुमार को अब उन्हें उपमुख्यमंत्री बनाना पड़ा है। इससे उनकी मजबूरी समझी जा सकती है। नीतीश कुमार भले भाजपा के साथ गठबंधन करके सरकार नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बन गए हैं, लेकिन सही मायने में सरकार भाजपा की ही होगी। वह स्वतंत्रता नीतीश कुमार को अब नहीं मिलेगी, जो पहले मुख्यमंत्री बनने पर उनके पास थी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी को उपमुख्यमंत्री बनाया गया है। वह लगातार नीतीश कुमार को अपने निशाने पर ले रहे थे। भाजपा के वह तेज तर्रार नेता हैं। वह भावी मुख्यमंत्री के रूप में भी देखे जा रहे हैं। दूसरे उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा हैं। जो भूमिहार जाति से आते हैं। उनकी भी संघ की पृष्ठभूमि है। वह भाजपा के बड़े समर्पित कार्यकर्ता हैं। वह भी नीतीश कुमार के कटु आलोचक हैं। जिस तरह से भाजपा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को समर्थन दिया है, उसके साथ उन्हें पूरी तरह से घेरकर बंधक भी बना लिया है। कहा जा रहा है कि गृह मंत्रालय सम्राट चौधरी को दिया जा रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हमेशा गृह मंत्रालय अपने पास ही रखा है। यदि ऐसा हुआ, तो मुख्यमंत्री के रूप में नीतीश कुमार भारतीय जनता पार्टी के चंगुल में फंसे रहेंगे। ना मंत्रिमंडल के अंदर वह कुछ कर पाएंगे, ना मंत्रिमंडल के बाहर प्रशासनिक स्तर पर कोई निर्णय ले पाएंगे। पिछले दो वर्षों में जिस तरह की बयानबाजी दोनों पक्षों की ओर से हुई थी। उसमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा था, कि उन्हें मरना कबूल है, लेकिन भाजपा में नहीं जाएंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने भी कहा था, जब तक हम नीतीश बाबू को मुख्यमंत्री पद से नहीं हटा देंगे, तब तक हम पग्गड़ और साफा नहीं बदलेंगे। भाजपा लगातार नीतीश कुमार पर आक्रमण कर रही थी। इसी बीच यह भी अपवाह फैलाई गई, कि विधानसभा अध्यक्ष जदयू के 12 विधायकों को बर्खास्त कर सकते हैं। इसके बाद तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। मीडिया ने नीतीश कुमार को निशाने पर ले रखा था। नीतीश बाबू ने, ललन सिंह को पार्टी के अध्यक्ष पद से हटाकर स्वयं अध्यक्ष बनकर अपने आप को सुरक्षित बनाने का प्रयास भी किया। इससे वह कमजोर होते चले गए। नीतीश कुमार को जो भी डर रहा हो, जिस महत्वाकांक्षा को लेकर वह इंडिया गठबंधन से नाराज हुए थे। उनका मानना था, कि प्रधानमंत्री पद के लिए इंडिया गठबंधन में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव और दिल्ली के अरविंद केजरीवाल उनका समर्थन नहीं कर रहे हैं। ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने मल्लिकार्जुन खड़गे का समर्थन करके नीतीश कुमार को नाराज किया था। इसी बीच भारतीय जनता पार्टी ने भी जदयू में सेंध लगाने का हर संभव प्रयास किया। गोदी मीडिया को नीतीश कुमार की सुपारी दे दी गई थी। इससे नीतीश कुमार इतना घबरा गए, कि उन्होंने बिना सोचे समझे घबराहट में आत्मघाती कदम उठा लिया। वह 2025 में मुख्यमंत्री बने रहेंगे, या नहीं। यह भी पक्का नहीं रहा। लोकसभा चुनाव तक उनकी अहमियत है। इसके बाद बिहार की राजनीति में एक बार फिर भारी बदलाव होना तय है। मंत्रिमंडल में जो दो उपमुख्यमंत्री बनाए गए हैं, वह हर तरीके से नीतीश बाबू पर भारी पड़ेंगे। जिसके कारण यह भी कहा जा रहा है, कि नीतीश कुमार के भविष्य का अब भगवान ही मालिक है। राजनीति के जितने बसंत उन्हें देखने थे, उन्होंने देख लिए हैं। यह उनकी सत्ता और मुख्यमंत्री पद का आखिरी काल है। वह इतनी बार पाला बदल चुके हैं। हर किसी के साथ पिछले दो वर्षों में जिस तरह से उनके रिश्ते बने हैं।

नीतिश की चालों से इंडिया गठबंधन को झटका

ललित गर्ग

अब लगभग यह तय हो गया है कि भारतीय जनता पार्टी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को विपक्षी दलों एवं उनके नेताओं के द्वारा हल्के में लेने की स्थितियां उनके लिये कितनी भारी हो सकती है। दूसरा भारत की राजनीति में भाजपा अगर कुछ करने की ठान लेती है तो वह उसे पूरा करती ही है। बिहार में सत्ता का समीकरण बदलना इसी बात का द्योतक है। बिहार में जारी सियासी उथलपुलथ के बीच आरजेडी के राज्यसभा सांसद अहमद अशफाक ने बड़ा ऐलान करते हुए आखिर कह ही दिया है कि अब जेडीयू और आरजेडी का रिश्ता टूट गया है। इस बात के प्रबल संकेत मिल रहे हैं कि मुख्यमंत्री और जेडीयू नेता नीतीश कुमार ने आरजेडी से अलग होने का फैसला कर लिया है। अगर ऐसा हुआ तो बिहार में न केवल महागठबंधन की सरकार गिर जाएगी बल्कि इंडिया महागठबंधन में भी दरारे पड़ जायेगी। यह भी संभावनाएं व्यक्त की जा रही है कि इसके बाद नीतीश एक बार फिर भाजपा के साथ मिलकर बिहार में सरकार बना सकते हैं। आगामी लोकसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा की रणनीति का यह एक बड़ा दांव सफल होता हुआ दिख रहा है। वैसे भाजपा एवं जेडीयू नेता नीतीश कुमार के बीच भीतर-ही-भीतर यह कीचड़ी विगत कुछ समय से पक रही थी। इसका पहला ठोस संकेत जननायक कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिये जाने की घोषणा पर उनके द्वारा पहले भाजपा सरकार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दिये धन्यवाद से सामने आया। दूसरा बड़ा संकेत कर्पूरी ठाकुर की सौवीं जयंती के मौके पर आयोजित समारोह में नीतीश कुमार ने तंज कस कर कि आजकल बहुत से लोग अपने परिवार के सदस्यों को ही आगे बढ़ाने में लगे रहते हैं, इस रूप में सामने आया। इसे सीधे तौर पर लालू प्रसाद यादव पर हमला माना गया, जिनकी पार्टी के साथ वह बिहार में सरकार चला रहे हैं।

इस पूरे घटनाक्रम के बाद से राजद और जदयू के बीच गहरी खाई बन गई है। लालू-तेजस्वी से नीतीश की बातचीत बंद चल रही है। वहीं महागठबंधन के सहयोगी दल भी सकते में आ गये हैं। क्योंकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के खिलाफ बिखरे हुए विपक्ष को एकजुट करने की कवायद करने वाले नीतीश कुमार ही रहे हैं। नीतीश कुमार ने ही पिछले साल जून में पटना में विपक्षी दलों की महाजुटान की थी। उनकी पहल पर ही विपक्ष के तमाम दल मतभेदों के बावजूद एक प्लेटफॉर्म पर आने को तैयार हुए ताकि लोकसभा चुनाव में भाजपा के खिलाफ ज्यादा से ज्यादा सीटों पर विपक्ष की तरफ से साझा उम्मीदवार उतारा जा सके। लेकिन जब चुनाव एकदम सिर पर आ गया तो नीतीश कुमार ही पाला बदलने जा रहे। तिनका-तिनका जोड़कर विपक्षी एकजुटता का ताना-बाना तैयार करने वाले जेडीयू चीफ ऐन वक्त पर खुद ही गठबंधन से दूर होने जा रहे हैं। ये विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए बहुत बड़ा आघात है।

लोकसभा चुनाव में अब दो-ढाई महीने का समय ही शेष हैं। भाजपा हर हालात में नरेंद्र मोदी को ही तीसरी बार सत्ता के सिंहासन पर बैठाना चाहती है। अयोध्या में भव्य राम मंदिर से पैदा हुई हिंदुत्व लहर पर सवार भाजपा जाति को साधने में भी पीछे नहीं है। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का ऐलान हो चुका है। दलितों को लुभाने के लिए बड़ा अभियान शुरू करने का प्लान भी तैयार हो चुका है। दूसरी तरफ विपक्ष खासकर उसके सबसे बड़ा गठबंधन इंडिया की नजर हर हाल में मोदी के विजय रथ को रोकने पर है। लेकिन लगभग टूट एवं बिखर चुके इंडिया किस तरह मोदी रथ को रोक पायेगी? क्योंकि लोकसभा चुनाव से पहले ही इंडिया गठबंधन हांफने लगा है। नीतीश कुमार का पाला पाला बदलना वैसे ही है जैसे युद्ध शुरू होने से ऐन पहले सारथी ही पाला बदल ले। गठबंधन के नीतीश ही नहीं, ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल भी कांग्रेस को आंख दिखा रहे हैं, जिससे गठबंधन की गाड़ी आगे सरकती नजर नहीं आ रही है। गठबंधन के भविष्य पर सवालिया निशान ही नहीं, ग्रहण लग गया है। बिहार की उठापटक एवं बदलते राजनीतिक समीकरणों का सीधा लाभ भाजपा को मिलेगा। बिहार में 40 लोकसभा सीटें हैं। अगर नीतीश कुमार भाजपा से मिलकर एनडीए गठबंधन का हिस्सा बनते हैं तो इनमें से अधिकाधिक लोकसभा सीटों पर एनडीए प्रत्याशियों की जीत की संभावना अप्रत्याशित रूप से बढ़ जाएगी। बिहार में नीतिश की इसी भूमिका के कारण ही इंडिया गठबंधन में उनकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका मानी जा रही थी। विपक्षी दलों के बीच गठबंधन करके ज्यादा से ज्यादा सीटों पर एनडीए के खिलाफ साझा प्रत्याशी खड़ा करने का यह पूरा प्रयास नीतीश कुमार की ही पहल पर शुरू हुआ था। ऐसे में उनके जाने के बाद यह प्रक्रिया किस तरह से और कितनी आगे बढ़ेगी, इस पर संदेह के बादल मंडरा रहे हैं।

राजनीति में जब नीति गायब होने लगती है तो बेमेल गठबंधनों के बनते एवं बिखरते के दृश्य देखने को मिलते हैं और, इस बुराई के लिए कमोबेश सभी राजनीतिक दल समान रूप से जिम्मेदार हैं। देखा जाए तो सबकी नजर में 2024 का लोकसभा चुनाव है जहां 40 सीटों वाले बिहार की भूमिका को अहम मानते हुए अभी सारे दांव-पेंच वहीं चल रहे हैं। बिहार में नया सियासी समीकरण कितना बदलाव लाएगा, यह भविष्य ही बताएगा। ऐसे में लंबे समय से कयास लगाए जा रहे थे कि नीतीश कुमार कभी भी भाजपा का हाथ थाम सकते हैं। वैसे भी अब नीतिश की छवि अवसरवादी नेता की हो गयी है। दरअसल यह अवसरवादिता और मौकापरस्ती की हद है जिसका राजनीति में प्रतिकार होना चाहिए। वास्तव में बिहार का ही सबसे बड़ा दुर्भाग्य है कि इस राज्य में जातिवादी और परिवारवादी राजनीति ने इस प्रदेश की जनता के मौलिक अधिकारों से उनको वंचित किये हुए हैं और इस प्रांत के लोगों को भारत का सबसे गरीब आदमी बनाया हुआ है। जबकि बिहारियों का भारत के सर्वांगीण विकास में योगदान कम नहीं हैं, सबसे अधिक मेहनती एवं बुद्धिजीवी लोग यही से आते हैं। लेकिन दूषित राजनीति की कालिमाएं यहां के धवलित इतिहास को धुंधलाती रही है। यहां की राजनीति की सत्तालोलुपता एवं भ्रष्टता लोकतांत्रिक मूल्यों को ध्वस्त करती रही है। जबकि प्रामाणिकता एवं सिद्धान्तवादिता राजनीतिक क्षेत्र में सिर का तिलक है और अप्रामाणिकता एवं अवसरवादिता मृत्यु का पर्याय होती है। आवश्यकता है, राजनीति के क्षेत्र में जब हम जन मुखातिब हों तो प्रामाणिकता का बिल्ला हमारे सीने पर हो। उसे घर पर रखकर न आएं। राजनीति के क्षेत्र में हमारा कुर्ता कबीर की चादर हो। नीतीश बाबू ने जिस महागठबन्धन को बनाया, बनने के साथ ही उसकी उल्टी गिनती शुरु हो गयी थी। अब तो खुद सारथी ही अपना पाला बदल रहा है।

आजादी के अमृतकाल के पहले लोकसभा चुनाव की आहट अब साफ-साफ सुनाई दे रही है। भारत के सभी राजनीतिक दल अब पूरी तरह चुनावी मुद्रा में आ गये हैं और प्रत्येक प्रमुख राजनैतिक दल इसी के अनुरूप बिछ रही चुनावी बिसात में अपनी गोटियां सजाने में लगे हैं। टुकड़े-टुकड़े बिखरे कुछ दल फेवीकॉल लगाकर इंडिया गठबंधन की छतरी के नीचे आये जरूर, लेकिन सीटों के बंटवारे एवं अन्य मुद्दों पर अब बिखर चुके हैं। सत्ता तक पहुँचने के लिए कुछ दल परिवर्तन को आकर्षक व आवश्यकता बता रहे थे, तो कुछ प्रमुख दलों के नेता स्वयं को प्रधानमंत्री की कुर्सी पर देख रहे थे, लेकिन सबके सपनों पर ग्रहण लग गया। विपक्षी दल येन-केन-प्रकारेण भाजपा को सत्ता से बाहर करने में जुटे भले ही हो, लेकिन भाजपा ने चुनाव से पहले ही उनको उनकी जमीन दिखा दी है। भाजपा पूर्ण आत्मविश्वास एवं प्रखरता के साथ आगे बढ़ रही है, जिन राज्यों में उसके लिये चुनौतियां अधिक प्रखर है, उन्हीं राज्यों में वह समग्रता एवं एकाग्रता से अपनी रणनीतियों को अंजाम दे रही है, बिहार भी उन्हीं में एक था। भाजपा की सबसे बड़ी विशेषता है कि वह अपनी हर चुनौती के कारणों को बड़ी गहराई से लेते हुए उन कारणों को समझने एवं चुनौतियों को संभावनाओं में बदलने के गणित को बिठाने में माहिर है।

कलेक्टर आशीष सिंह ने पूजन-अर्चन के साथ किया तीन दिवसीय तिल चतुर्थी मेले का शुभारंभ

भगवान श्री खजराना गणेशजी का स्वर्ण आभूषणों से किया विशेष श्रृंगार

इन्दौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने श्री खजराना गणेश मंदिर में तीन दिवसीय तिल चतुर्थी मेले का पूजा-अर्चना के साथ शुभारंभ किया। इस मौके पर उन्होंने सपत्नीक पूजन किया। इस मौके पर भगवान गणेशजी को तिल गुड़ के सवा लाख लड्डुओं का भोग लगाया गया। भगवान श्री गणेशजी की मूर्ति का स्वर्ण मुकुट सहित स्वर्ण आभूषणों से विशेष श्रृंगार किया गया है। मंदिर को आकर्षक फूलों से फूल बंगला के साथ सजाया गया है। कलेक्टर आशीष सिंह ने इस मौके पर सपत्नीक ध्वजा पूजन करने के साथ ही तीन दिवसीय तिल चतुर्थी मिले की भी शुरुआत की।

मंदिर के वरिष्ठ पुजारी पं. मोहन भट्ट, पं.अशोक भट्ट, पं.जयदेव भट्ट, पं. धर्मेंद्र भट्ट, पं. सतपाल भट्ट, पं. पुनीत भट्ट ने पूजा अर्चना करवाई। इस अवसर पर भक्त मंडल के अरविंद बागड़ी, कैलाश पंच, गोकुल पाटीदार पार्षद पुष्पेंद्र पाटीदार, दिनेश सोनगरा सहित अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

कार्यालय प्रमुखों को दिये गये निर्देश

शासकीय सेवकों को प्रत्येक माह की एक तारीख को ही मिले वेतन

इन्दौर। कलेक्टर आशीष सिंह ने इंदौर जिले के सभी शासकीय कार्यालयों के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देश दिए है कि प्रत्येक माह की एक तारीख को सभी शासकीय सेवकों को वेतन भुगतान किया जाए। उल्लेखनीय है कि म.प्र. कोषालय संहिता 2020 के सहायक नियम 109 (3) में प्रावधनित है कि सभी आहरण संवितरण कार्यालयों के प्रत्येक शासकीय सेवक का मासिक वेतन आगामी माह की 5 तारीख तक न होने की स्थिति में विलंब के लिये संबंधित आहरण संवितरण अधिकारी की जबावदेही होगी। वरिष्ठ जिला कोषालय अधिकारी श्रीमती मोनिका कटारे ने बताया है कि कुछ कार्यालयों में निर्देशों की अवहेलना की जाकर मासिक वेतन के देयक नियत समय में कोषालय में प्रस्तुत नही किये जा रहें हैं, फलस्वरूप शासकीय सेवकों के वेतन में अनावश्यक विलंब की स्थिति निर्मित हो रही है। इसके अतिरिक्त अधिकांश कार्यालय उनके अधीनस्थ अधिकारियों, कर्मचारियों का मासिक वेतन स्टाप सेलेरी पेमेंट ([illegible]) के माध्यम अथवा विलंब से आहरित करते हैं। किन्तु स्टाप सेलेरी पेमेंट एवं विलंब से भुगतान के संबंध में, उसका कारण एवं सक्षम स्वीकृति संलग्न नहीं की जाती है, जिससे त्रुटिपूर्ण भुगतान एवं वित्तीय अनियमितता, गबन की स्थिति बन सकती है। निर्देश दिए गये हैं कि माह के अंतिम कार्य दिवस के पूर्व सभी प्रकार के वेतन देयक पारित किये जाने के लिए कोषालय में ऑनलाईन प्रेषित किया जाना सुनिश्चित करें।

इन्दौर शहर को नं.-1 बनाने में सफाई मित्रों की भूमिका महत्वपूर्ण : दादू महाराज

इन्दौर। शहर के पलाश परिसर 1 रहवासी संघ द्वारा परिसर के सफाई मित्रों का सम्मान समारोह महामंडलेश्वर दादू महाराज के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर दादू महाराज द्वारा के सफाई कर्मचारी, सिक्योरिटी गार्ड व सुपरवाइजर का शॉल, पुष्पमाला, श्रीफल, कपड़े, सम्मान राशि देकर सम्मान किया गया।

वहीं ब्लॉक 8-9 बिल्डिंग रहवासी सदस्यों द्वारा पुष्पमाला, स्मृति चिन्ह भेंट कर दादू महाराज को अयोध्या में श्री राम ललाजी प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में उपस्थित होने पर सम्मानित किया गया। साथ ही आचार्य शिव कुमार शर्मा को भी सम्मानित किया गया।

महामंडलेश्वर दादू महाराज द्वारा पलाश परिसर के सभी उपस्थित परिवारजनों को अयोध्या की पवित्र सरयू नदी का जल व अयोध्या की रज और सिद्ध अभिमंत्रित रुद्राक्ष दिया गया। अपने संक्षिप्त उद्बोधन में दादू महाराज ने कहा कि लगातार सातवीं बार देश में प्रथम आने में हमारे शहर के सफाई मित्रों की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण है, इनके कार्य अतिप्रशंसनीय हैं और इन्हें सम्मानित अवश्य करते रहना चाहिए। सम्मान समारोह रहवासी संघ के शंकर सिंह ठाकुर, गोपाल मोटलानी, रामनिवास श्रीवास्तव, शुक्ला, मालवीय के मार्गदर्शन में आयोजन किया गया, वहीं मंच संचालन विजय अंबेकर ने किया। इस अवसर पर अंकित मिश्रा, विनय ठाकुर, नरेश पीपल, आशीष लिटोरिया, शिवेंद्र कुमार, शैलेश झालानी, सचिन सोनी, अभिषेक हाड़ा, श्रेयकांत पांड्या, सुमित मोटलानी, कमल ठाकुर, सुनिल सोनी, उमेश तिवारी, नयन शर्मा सहित रहवासी परिसर के कई परिजन उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से ईशान की जिन्दगी में आया बदलाव

इन्दौर। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि युवाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनके जिन्दगी में नया बदलाव लाया जाये, जिससे की वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन पाये। उनके संकल्पों को पूरा करने की दिशा में इंदौर जिले में भी स्वरोजगारमूलक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसी के तहत इंदौर जिले के एक होनहार युवा को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत लाभान्वित कर उसे आत्मनिर्भर बनाने तथा उसके जीवन में नया बदलाव लाने के प्रयास किये गये है।

इसमें काफी हद तक सफलता भी मिली है।

कभी शासकीय नौकरी और अन्य प्रायवेट संस्थान में नौकरी की तलाश में लगे ईशान राठौर को जीने की नई राह प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से मिली है। इस योजना का लाभ पाकर अब वह स्वयं उद्योग संचालित कर रहा है। साथ ही दूसरों को भी रोजगार दे रहा है। लगभग 23-24 साल के इस युवा को प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के तहत लगभग 25 लाख रूपये का ऋण दिया गया। इससे उसने देपालपुर तहसील के बेटमा क्षेत्र के ग्राम करवासा में पशुओं के आहार बनाने का उद्योग लगाया। यह उद्योग शासकीय सहायता और उसकी लगन से चल पड़ा। आज उसके उद्योग का वार्षिक टर्नओवर लगभग एक करोड़ रूपये तक पहुंच गया है। ईशान ने बताया कि इस ईकाई से मैने तो स्वयं रोजगार पाया ही है साथ ही लगभग 20 से 25 अन्य लोगों को भी रोजगार प्रत्यक्ष- अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार दे रहा हूं। इसके लिये उसने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी को विशेष से धन्यवाद दिया और कहा कि यह उनके संकल्पों का परिणाम है कि मेरे जीवन में नया बदलाव आया है।

ईशान राठौर की बचपन से कुछ अलग हटकर करने की जिज्ञासा रही है। ईशान बताते हैं कि शिक्षा के साथ-साथ नई नई चीजों को सीखना, समझना और उत्सुकता से काम करने की प्रवृत्ति बचपन से ही थी। वर्ष 2019 में 12वीं कक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत मैंने इंटीरियर डिजाईनिंग का कोर्स किया और साथ ही ट्रांसपोर्ट सेक्टर में भी जॉब शुरू की। मैं हमेशा स्वयं का रोजगार करना चाहता था। बहुत से अन्य व्यवसाय की तलाश करते-करते पशु आहार निर्माण की इकाई पर कार्य करने का विचार आया। मैंने पहले छः माह तक दर्शन पशु आहार संस्थान पर कार्य सीखा और मशीनों की जानकारी प्राप्त की।

इसी बीच मुझे प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम की जानकारी मिली। मैंने इस योजना में आवेदन किया। बैंक ऑफ इंडिया शाखा बेटमा द्वारा मुझे 25 लाख रुपये का ऋण प्रदान किया गया। मैंने अपना कैटल फीड मैन्युफेक्चरिंग यूनिट ग्राम करवासा बेटमा में स्थापित किया। वर्तमान में मेरा उद्योग निरंतर प्रगति कर रहा हैं और मेरे उद्योग का वार्षिक टर्नओवर लगभग एक करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अब में अपनी इस यूनिट को और विस्तारित करना चाह रहा हूँ।

अग्निवीर योजना के लिए युवाओं को मिलेगा 360 घंटे का निःशुल्क प्रशिक्षण: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नदी से नदी जोड़कर बहेगी विकास की धारा, चंबल की धरती ने बढ़ाया सनातन संस्कृति का मान-सम्मान

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने युवाओं को देशभक्ति के लिए प्रेरित करने और सेना में नई ऊर्जा लाने के लिए शुरू की गई अग्निवीर योजना में प्रदेश के युवाओं को चयनित कराने के लिए प्रति बैच 360 घंटे का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुरैना में रोजगार दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय रोजगार दिवस समारोह में कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रशिक्षण में युवाओं को गणित, भौतिकी, रसायन विज्ञान और सामान्य अध्ययन जैसे विषयों की कोचिंग दी जाएगी। इससे युवाओं को अग्निवीर योजना में चयन में मदद मिलेगी। अग्निवीर सहित शासन की विभिन्न योजनाओं से मिले रोजगार और स्वरोजगार से युवाओं के जीवन में नव सुख जीवन का सूरज उदय होगा।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा शुरू की गई महत्वाकांक्षी योजना नदी जोड़ो परियोजना का जिक्र करते हुए बताया कि नदी से नदी को जोड़कर गांव-गांव तक विकास की धारा बहाने के लिए इस योजना की शुरुआत की गई थी। मध्य प्रदेश और राजस्थान को भी इस परियोजना का लाभ मिलना था लेकिन पिछली सरकारों ने इसे लागू नहीं किया। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश और राजस्थान द्वारा

संयुक्त रूप से पार्वती, काली सिंध, और चंबल नदी को जोड़ने का महाअभियान प्रारंभ हुआ हैं। प्रदेश के 12 और राजस्थान के 13 जिलों का विकास इस परियोजना के तहत होगा। किसानों को पीने और सिंचाई का पानी उपलब्ध होगा। इससे क्षेत्र में विकास होगा और समृद्धि आएगी।

किसानों को 56 करोड़ लौटाएंगे और नई फैक्ट्री लगवाएंगे- मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि किसानों और मजदूरों को उनका हक मिलेगा। मुरैना में बंद पड़ी शुगर फैक्ट्री के संदर्भ में उन्होने कहा कि किसानों का 56 करोड़ बकाया उन्हें लौटाया जायेगा। नई फैक्ट्री लगवाएंगे। इसी तरह जैसे जेसी मिल्स ग्वालियर का पैसा भी मजदूरों को लौटाएंगे। किसानों और मजदूरों को कोई परेशान करे यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छत्तीसगढ़ में हुए नक्सली हमले में भिंड के सीआरपीएफ के जवान श्री पवन भदौरिया के कर्तव्य की बलिवेदी पर बलिदान पर श्रदापूर्वक नमन किया। उन्होंने कहा कि जान की बाजी लगाकर जो शूरवीर धरती मां को गौरवान्वित करते है वह समूची संस्कृति में पूजे जाते हैं। उनके बलिदान को जीवन भर स्मरण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शासन की विभिन्न योजनाएं की लाभार्थी हितग्राहियों से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने छतरपुर की श्रीमती राजकुमारी अहिरवार, अनूपपुर की सुश्री ज्ञानवती सिंह श्याम, बड़वानी की श्रीमती योगिता पाटीदार और दमोह की श्रीमती पूजा यादव से संवाद किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने योजना का लाभ लेकर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उत्पन्न करने के लिए धन्यवाद दिया और उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासन की विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न हितग्राहियों को प्रतीकात्मक हितलाभ का भी वितरण किया

कार्यक्रम में रोजगार दिवस पर आधारित लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। फिल्म में प्रधानमंत्री श्री मोदी के निर्देशन में प्रदेश के युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के प्रयासों को रेखांकित किया गया।

नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री राकेश शुक्ला, किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ऐदल सिंह कंषाना, सचिव सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम श्री पी. नरहरि सहित जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

रिटायर्ड भ्रष्ट अफसरों की फिर खुलेगी फाइल, अब समय सीमा में पूरी होगी लंबित विभागीय जांच

भोपाल। मध्य प्रदेश में रिटायर्ड भ्रष्ट अफसरों की फाइल एक बार फिर खुलने जा रही है। जीरो टॉलरेंस की नीति पर मोहन सरकार ने एक और बड़ा फैसला लेते हुए इसके लिए चार सदस्यीय टीम गठित कर दी है। सामान्य प्रशासन विभाग में जिन चार सीनियर आईएएस अधिकारियों की कमेटी बनाई है उन्होंने काम करना भी शुरू कर दिया है। यह कमेटी विभागीय जांच पर फैसला लेने के साथ अनुशासनात्मक कार्रवाई के लिए सिफारिश करेगी। सामान्य प्रशासन विभाग की तरफ से गठित कमेटी में विभाग के अपर मुख्य सचिव विनोद कुमार, नर्मदा घाटी विकास विभाग के अपर प्रमुख सचिव डॉ. राजेश राजौरा, राजस्व विभाग के प्रमुख सचिव निकुंज श्रीवास्तव, विधि विभाग के सचिव उमेश पांडव को सदस्य बनाया गया है। दरअसल, डॉ. मोहन यादव ने जब से मुख्यमंत्री पद संभाला है उनका फोकस सुशासन पर है। इसके लिए उन्होंने ताबड़तोड़ फैसले लेकर अफसरों को संकेत दे दिया है कि न कोताही, न लापरवाही और न ही भ्रष्टाचार बर्दास्त किया जाएगा। वहीं राज्य शासन रिटायर्ड आईएएस अफसरों की विभागीय जांच समय सीमा में पूरी करने को लेकर गंभीर है। इसके लिए वरिष्ठ अफसरों की जो कमेटी बनाई गई है उसने भी अपना काम संभाल लिया है। मंत्रालय में मंगलवार को कमेटी की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में रिटायर्ड अफसरों की लंबित विभागीय जांचों की संख्या और जांच कम से कम अवधि में पूरी करने को लेकर नियम-प्रक्रिया तैयार करने पर चर्चा हुई। **बड़ी संख्या में जांच लंबित-**जानकारी के मुताबिक प्रदेश में बड़ी संख्या में आईएएस अफसरों पर विभागीय जांच लंबित हैं। अधिकतर मामले भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से जुड़े हैं। कई अधिकारी ऐसे हैं, जिनके रिटायर्ड होने के बाद भी उनकी विभागीय जांच पूरी नहीं हो पाई है।

IAS Officers Transfer in MP:

मध्य प्रदेश में 15 IAS अधिकारियों के तबादले, CM के सचिव, अपर सचिव और उपसचिव पदस्थ

भोपाल। राज्य शासन ने आज एक आदेश जारी कर 15 IAS अधिकारियों के तबादला आदेश जारी किए हैं। 1989 बैच के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी विनोद कुमार अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन को आर सी पी वी नरोन्हा प्रशासन अकादमी का महानिदेशक बनाया गया है । 1993 बैच के अनुरोध मुखर्जी प्रमुख सचिव लोक संपत्ति प्रबंधन विभाग और महानिदेशक आरसीपीवी नरोन्हा प्रशासन अकादमी को प्रमुख सचिव आयुष विभाग बनाया गया है। मनीष रस्तोगी प्रमुख सचिव जेल के साथ अब प्रमुख सचिव सामान्य प्रशासन विभाग और प्रमुख सचिव (समन्वय) मुख्य सचिव कार्यालय भी रहेंगे। नवनीत कोठारी एम डी एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को अब सचिव मछुआ कल्याण तथा मत्स्य विकास विभाग बनाया गया है। रविंद्र सिंह सचिव गृह को आयुक्त सह संचालक खाद्य विभाग बनाया

गया है। वे प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश राज्य भंडार गृह निगम के अतिरिक्त प्रभार में भी रहेंगे। आबकारी आयुक्त ओमप्रकाश श्रीवास्तव को अब गृह विभाग का सचिव बनाया गया है। आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास भरत यादव अब मुख्यमंत्री के सचिव भी होंगे। अविनाश लवानिया प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम अब मुख्यमंत्री के अपर सचिव का कार्य भी देखेंगे। संचालक खाद्य तरुण कुमार पिथोड़े को आयुक्त चिकित्सा शिक्षा बनाया गया है। अभिजीत अग्रवाल प्रबंध संचालक मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम को प्रदेश का नया आबकारी आयुक्त बनाया गया है।

चंद्रशेखर वालिंबे अपर सचिव राजस्व विभाग को मुख्यमंत्री का अपर सचिव भी बनाया गया है। चंद्रमौली शुक्ला आयुक्त गृह निर्माण विकास मंडल को एमपी इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड का एम डी बनाया गया है। गौतम सिंह अपर संचालक मध्य प्रदेश राज्य कृषि विपणन बोर्ड को परियोजना संचालक मध्य प्रदेश स्किल डेवलपमेंट प्रोजेक्ट बनाया गया है। श्रीमती अदिति गर्ग संचालक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ-साथ अब मुख्यमंत्री की उपसचिव भी होगी। पदस्थापना के लिए प्रतीक्षारत अंशुल गुप्ता को मुख्यमंत्री के उप सचिव के साथ ही इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम का एमडी बनाया गया है।

कमलनाथ ने लिखा सीएम को पत्र

हितग्राहियों को अनुदान राशि दे सरकार

छिंदवाड़ा। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव को पत्र प्रेषित कर प्रदेश में संचालित हो रही स्व रोजगार योजनाओं की वर्तमान स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित कराया है। नाथ ने कहा कि युवाओं को स्व रोजगार से जोडने के लिए शासन द्वारा चलाई जा रही मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री स्व रोजगार योजना, कृषक उद्यमी योजना के जरिए बैंकों से ऋण लेकर स्व रोजगार स्थापित करने वाले हितग्राहियों को शासन की ओर से दिया जाने वाले अनुदान सहायता राशि का भुगतान नहीं हो रहा है। प्रदेश भर में हजारों की संख्या में युवा उद्यमियों ने उक्त योजनाओं में बैंकों से ऋण ले रखा है। स्वीकृत प्रकरणों में साढ़े तीन साल से देय अनुदान की राशि शासन की ओर से नहीं दी गई है। अनुदान की राशि न मिलने से युवा उद्यमियों को अपने उद्यमों के संचालन के साथ-साथ बैंकों के ऋण चुकाने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

450 हितग्राही अकेले छिंदवाड़ा जिले में-मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, मुख्यमंत्री स्व रोजगार योजना, मुख्यमंत्री कृषक उद्यमी योजना के करीब 450 हितग्राही हैं। जिनकी करोड़ों की सब्सिडी बकाया है। सब्सिडी के लिए वे सरकारी दफ्तरों के चक्कर काटने मजबूर हैं। सब्सिडी नहीं मिलने से वे हताशा के दौर से गुजर रहे हैं। पूर्व सीएम श्री नाथ ने यह भी कहा है कि अनुदान सहायता राशि न मिल पाने की वजह से युवा उद्यमियों को बाजार से कर्ज लेने मजबूर होना पड़ रहा है।

10 हजार करोड़ में बनेगी मप्र के विकास की राह

गडकरी बोले- मप्र की तस्वीर बदल गई है, अच्छी सड़क बनेगी तो निवेश आएगा

अगले साल पूरा हो जाएगा इंदौर से खंडवा हाईवे का निर्माण कार्य

2700 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा उज्जैन से गरोठ हाईवे

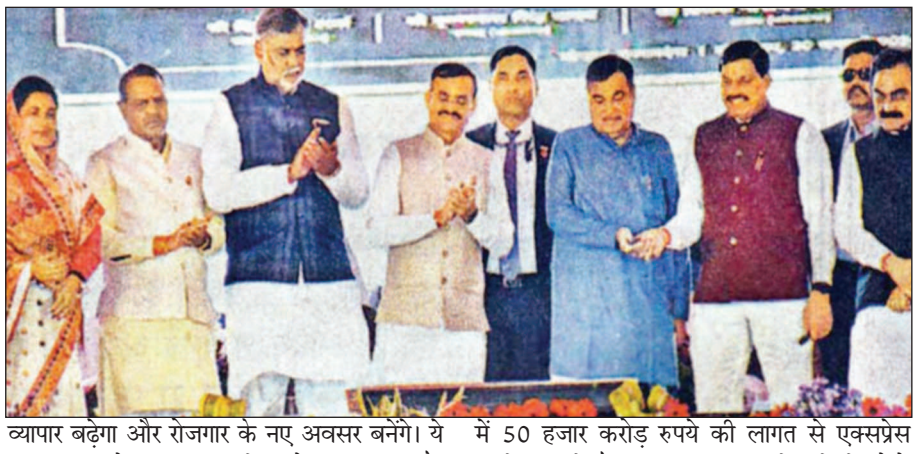

भोपाल। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को मध्य प्रदेश में सड़कों के निर्माण से बदली स्थिति की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि पहले नागपुर से आते समय मध्य प्रदेश की सीमा में प्रवेश करते थे तो - हमें इसका पता सड़कों की खराब स्थिति से चल जाता था। आज यहां गुणवत्तायुक्त सड़कों का जाल बिछा हुआ है। तस्वीर वाकई बदल गई है। वर्ष 2024 पूरा होने तक प्रदेश में तीन लाख करोड़ रुपये की कुछ सड़क परियोजनाएं प्रारंभ होंगी तो कुछ पूरी हो जाएंगी। इसके बाद मध्य प्रदेश में सड़क नेटवर्क अमेरिका के बराबर होगा। अच्छी सड़कें बनेंगी तो निवेश आएगा। व्यापार बढ़ेगा और रोजगार के नए अवसर बनेंगे। ये राजमार्ग परियोजनाएं मध्य प्रदेश को इंडस्ट्रियल और एग्रीकल्चर हब बनाएंगी। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने यह बात भोपाल के लाल परेड मैदान में आयोजित आठ हजार करोड़ रुपये से अधिक की 15 परियोजनाओं का शिलान्यास करते हुए कही। इसके पहले उन्होंने जबलपुर में 2,367 करोड़ रुपये की लागत से 226 किमी की नौ सड़क परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण किया था। गडकरी ने बताया कि मध्य प्रदेश में 50 हजार करोड़ रुपये की लागत से एक्सप्रेस हाईवे बन रहे हैं। मुंबई- दिल्ली एक्सप्रेस वे से लोगों का सफर 12 घंटे में पूरा हो जाएगा। मध्य प्रदेश में इसकी लंबाई 245 किमी है। इसे दिसंबर तक पूरा करेंगे। इसी तरह 18 हजार करोड़ रुपये की लागत से इंदौर- हैदराबाद एक्सप्रेस वे बनाया जा रहा है। यह इंदौर, खरगोन, खंडवा और बुरहानपुर से होते हुए जाएगा। इंदौर से खंडवा हाईवे वर्ष 2025 तक बनेगा। 2700 करोड़ रुपये की लागत से उज्जैन से गरोठ हाईवे बनेगा। इसके माध्यम से कोटा केवल ढाई घंटे में पहुंचा जा सकेगा। इसी तरह उन्होंने भोपाल से कानपुर, भोपाल से सागर, सागर से कानपुर सहित अन्य परियोजनाओं की जानकारी दी। मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव ने कहा कि मध्य प्रदेश सड़क निर्माण के नए कार्यों के साथ ही आवागमन के हवाई साधनों और केबल कार, रोप-वे जैसे साधनों के प्रयोग में भी आगे बढ़ रहा है। स्वतंत्रता के बाद के 65 वर्ष में पांच हजार किमी के मार्ग तैयार थे, लेकिन गत दस वर्ष में ही पांच हजार किमी के नए मार्ग बने हैं। भारत की पेट्रोल-डीजल के लिए विदेश पर जो निर्भरता है, उसे कम करने के लिए वैकल्पिक साधनों को बढ़ावा देना होगा। मध्य प्रदेश इस प्रयास में कदम से कदम मिलाकर चलेगा।

पीथमपुर मल्टी माडल लाजिस्टिक पार्क की तैयारी

गडकरी ने सीएम से कहा कि पीथमपुर में 1,111 करोड़ रुपये से 255 एकड़ में मल्टी माडल लाजिस्टिक पार्क बना रहे हैं। इसका कार्यादेश देना है पर भूमि हस्तांतरित नहीं हुई है। इसे दिलवा दें तो हम काम प्रारंभ करा देंगे।

नमो नव मतदाता सम्मेलन को प्रदेश अध्यक्ष ने किया संबोधित

नए भारत की नई शक्ति, नया स्वरूप हैं नव मतदाता-विष्णुदत्त शर्मा

प्रदेश में हुए 460 स्थानों पर नव मतदाता सम्मेलन

भोपाल। स्वामी विवेकानंद सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि दुनिया के युवाओं के लिए आदर्श हैं। उन्हें पूरी दुनिया एक यूथ आईकॉन के तौर पर देखती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फोकस भी देश की युवाशक्ति पर है, यही कारण है कि आज प्रधानमंत्री नमो एप पर देश के एक करोड़ युवाओं, नव मतदाताओं से संवाद कर रहे हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने कहा कि देश में लगभग 5 करोड़ नव मतदाता हैं, जिनमें से करीब 53 लाख मध्य प्रदेश में हैं। देश और मध्यप्रदेश में नौजवानों की यह जो पीढ़ी है, इसे प्रधानमंत्री मोदी एक बड़ी ताकत के रूप में देखते हैं और यही नए भारत का नया स्वरूप है। प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने गुरुवार को युवा मोर्चा द्वारा हिंदी भवन में आयोजित 'नमो नव मतदाता सम्मेलन' में उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आज की युवा पीढ़ी आतंकवाद, भ्रष्टाचार जैसी बुराईयों के प्रति जीरो टालरेंस की ओर कदम बढ़ा रही है। भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा द्वारा पहली बार मतदाता बने 18 वर्ष से 23 वर्ष के युवाओं को पार्टी से जोड़ने के अभियान के तहत गुरूवार को देश भर के पांच स्थानों पर नमो नव मतदाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। राजधानी भोपाल में यह सम्मेलन हिंदी भवन में आयोजित किया गया। 'नमो नवमतदाता सम्मेलन' को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा, मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने वर्चुअली संबोधित किया। प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि 22 जनवरी को अयोध्या में रामजन्मभूमि पर बने भव्य मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा का जो ऐतिहासिक कार्य हुआ, वह केवल एक धार्मिक विषय नहीं है। बल्कि वह उन असंभव लगने वाले अनेक कामों में से एक है, जिन्हें प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 के बाद करना शुरू किया है। उन्होंने कहा कि एक युवा के रूप में प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू कश्मीर की यात्रा की थी और वहां का माहौल देखकर कहा था कि देश का युवा एटम का रूप लेकर जम्मू कश्मीर से आतंकवाद का सफाया करेगा। किसी ने कल्पना नहीं की थी कि जम्मू कश्मीर में आतंकवाद को प्रश्रय देने वाली धारा-370 एक दिन समाप्त होगी, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने धारा 370 हटाकर देश को एक सूत्र में बांधने का काम किया। श्री शर्मा ने आगे कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी कहते थे कि किसी गरीब के लिए 1 रूपया भेजते हैं तो 85 पैसे भ्रष्टाचार में चला जाता है, गरीब तक केवल 15 पैसे ही पहुंचते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इस स्थित को देखा और 2014 में भाजपा सरकार बनने के बाद गरीबों के जन-धन खाते खोलकर इस व्यवस्था को बदल दिया।

लोकसभा चुनाव में नए चेहरों पर दांव

करीब दर्जनभर सीटों पर भाजपा बदलेगी प्रत्याशी

भोपाल। मप्र में भाजपा और कांग्रेस दोनों ही पार्टियां लोकसभा चुनाव की तैयारी में जुट गई हैं। भाजपा की नजर जहां नए चेहरों पर है, वहीं कांग्रेस अनुभवी और दिग्गज नेताओं पर दांव लगाने का मन बना रही है। यह इस बात का संकेत है की भाजपा के करीब दर्जनभर सांसदों का टिकट खतरे में हैं। विधानसभा चुनाव में भाजपा का जिन लोकसभा क्षेत्रों में कमजोर प्रदर्शन रहा है, पार्टी उन सीटों पर गहन चिंतन-मनन कर रही है। वहीं कुछ और सीटें भी हैं जहां भाजपा अपने सांसदों की स्थिति का आकलन कर रही है। भाजपा सूत्रों का कहना है कि मिशन 2024 को फहत करने के लिए पार्टी करीब दर्जनभर सीटों पर नए चेहरों पर दांव लगा सकती है। उल्लेखनीय है कि राज्य में लोकसभा की 29 सीटें हैं, इनमें से भाजपा का 28 पर और कांग्रेस का एक पर कब्जा है। भाजपा की कोशिश जहां सभी स्थानों पर जीत हासिल करनी है, वहीं कांग्रेस अपनी स्थिति को पिछले चुनाव से बेहतर बनाने की कोशिश में है। दोनों ही दलों में बेहतर उम्मीदवार की तलाश के लिए अभी से होमवर्क तेज हो गया है। भाजपा ने सभी 29 सीटों का जमीनी फीडबैक जुटाना शुरू कर दिया है। सांसदों का भी रिपोर्ट कार्ड तैयार हो रहा है। पार्टी उन पांच स्थानों के लिए सबसे पहले उम्मीदवार तलाश रही है, जहां के सांसद हाल ही में हुए विधानसभा का चुनाव जीत चुके हैं। वहीं दो स्थानों पर सांसदों को विधायक के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा है। पार्टी मंथन कर रही है कि इन दो स्थानों के लिए आखिर क्या किया जाए। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मध्य प्रदेश में भाजपा के पास अपनी ताकत को और बढ़ाने का बहुत कम मौका है, जबकि कांग्रेस के पास अवसर बहुत हैं। ऐसे में भाजपा जहां अपनी ताकत को बनाए रखना चाहेगी, वहीं कांग्रेस अपना अंक बढ़ाने की कोशिश में जुटेगी।

चुनाव घोषणा से पहले प्रत्याशियों का ऐलान

विधानसभा चुनाव की तरह भाजपा लोकसभा चुनाव में भी कुछ सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान चुनाव की घोषणा से पहले कर सकती है। जिसमें प्रदेश की एक मात्र कांग्रेस नेतृत्व वाली छिंदवाड़ा सीट भी शामिल है। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में मुरैना, होशंगाबाद, सतना, जबलपुर, सीधी, मंडला और सतना सांसद को उतारा था। इनमें से सतना और मंडला सांसद चुनाव हार गए। जबकि शेष 5 सांसद चुनाव जीतकर विधायक बन चुके हैं।। यह भी संभावना है कि लोकसभा चुनाव में मंडला और सतना सीट से चेहरा बदल दिया जाए। वर्तमान में मप्र में भाजपा के 23 सांसद हैं। पार्टी इनमें करीब आधे चेहरे बदल सकती है। इनमें कुछ पुराने चेहरे भी हैं। विशेष योग्यता वालों को भी मौका पार्टी सूत्रों के अनुसार शीर्ष नेतृत्व लोकसभा चुनाव के लिए नए चेहरों को मौका देना चाहता है। इसमें उन चेहरों को भी जगह मिल सकती है, जो डॉक्टर, इंजीनियर, सामाजिक क्षेत्र में विशेष कार्य, सीए एवं अन्य क्षेत्र में विशेषता रखने वाले हों। हालांकि भाजपा से जुड़ा होना जरूरी है। खबर है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा मप्र में चौंकाने वाला निर्णय करेगी। पिछले पांच साल के कार्यकाल में भाजपा के जो सांसद अलग-अलग कारणों से विवादों में रहे हैं, उनका टिकट कटना लगभग तय है। खास बात यह है कि इसकी पहले ही गोपनीय तौर पर रिपोर्ट तैयार हो चुकी है।

Bollywood Update

जान्हवी कपूर को लोगों ने किया ट्रोल

अभिनेत्री जान्हवी कपूर एक शानदार अदाकारा होने के साथ साथ बोल्ड भी हैं। इसकी झलक वो समय समय पर दिखाती रहती हैं। इस वक्त उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जो कि आपका पारा हाई करने के लिए काफी है। जान्हवी कपूर ने इस वीडियो में अपना सबसे सेक्सी लुक दिखाया है। वीडियो में ब्रालेस नजर आ रही हैं जान्हवी कपूर ने सिर्फ साड़ी लपेट लपेटकर पोज दिए हैं। हर बार सिर्फ साड़ी ही बदली है लेकिन वो ब्रालेस ही नजर आईं। जैसे ही उनका ये फोटोशूट वायरल हुआ लोग कई तरह के कमेंट्स कर रहे हैं। गौरतलब है कि जान्हवी कपूर को पहले शायद ही आपने इस तरह के लुक में देखा होगा। पैपराजी पेज ने इस वीडियो को पोस्ट करते हुए लिखा था, जान्हवी कपूर पर लंबे बाल बहुत अच्छे लगते हैं। बता दें कि जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और आए दिन अपनी एक से बढ़कर एक बेहतरीन तस्वीरें और वीडियो फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं।

फिल्म लाहौर 1947 में सनी देओल संग नजर आयेंगी प्रीति जिंटा

बॉलीवुड की चर्चित फिल्म गदर 2 के ब्लॉकबस्टर होने के पश्चात ऐसा लगा कि सनी देओल ने शानदार कमबैक किया है। इनका दबदबा दर्शकों के बीच अभी भी बना हुआ है। कुछ दिनों पहले तक तो सनी फिल्म सफर की शूटिंग करते नजर आ रहे थे। अब खबरें आ रही हैं कि सनी देओल जल्द ही अपनी दूसरी फिल्म लाहौर 1947 की शूटिंग में बिजी हो जाएंगे। यह फिल्म अभी पाइपलाइन में है, मगर इसपर जल्द ही काम शुरू होगा, ऐसा भरोसा दिलाया जा रहा है। इस फिल्म को आमिर खान प्रोडक्शन्स तहत बनाया जाने वाला है। यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म होगी, जिसमें सनी देओल के अतिरिक्त राजकुमार संतोषी और आमिर खान भी टीमएप कर रहे हैं। आपको बता दें कि बीते दिनों प्रीति जिंटा को मुंबई के एक स्टूडियो से बाहर आते हुए स्पॉट किया गया। रिपोर्ट्स के अनुसार, प्रीति जिंटा लाहौर 1947 के लुक टेस्ट के लिए स्टूडियो पहुंची थीं। प्राप्त हुई जानकारी के अनुसार, इस फिल्म से प्रीति, सनी देओल संग कई वर्षों बाद स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं। बता दें कि सनी और प्रीति ने साथ में हीरो: लव स्टोरी ऑफ अ स्पाई, फर्ज और भैयाजी सुपरहिट जैसी फिल्मों में साथ काम किया है।

सोभिता धुलिपाला करने जा रही हैं हॉलीवुड डेब्यू

सोभिता धुलिपाला अपने हॉलीवुड डेब्यू फिल्म मंकी मैन के साथ ऑस्कर-नॉमिनेटेड देव पटेल के साथ स्क्रीन शेयर करने के लिए तैयार हैं। यह एक एक्शन-पैक्ड रिवेंज टेल है, जो अब आखिरकार

थिएटरों में रिलीज हुई है। इस फिल्म को सोभिता के लिए एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन माना जा रहा है, क्योंकि वे अपने कदमों को अंतर्राष्ट्रीय फिल्म की ओर बढ़ा रही हैं। फिल्म में उनका किरदार सुपर इंट्रीग्यूइंग है, और उनका इंटेंस प्रैसेंस सभी का ध्यान उनकी तरफ खींच रहा है।

सोभिता ने जीता दिल

सोभिता धुलिपाला को मंकी मैन के ट्रेलर में देखकर हमें उन्हें और भी देखने की इच्छा हो रही है। अभिनेत्री का ऑन-स्क्रीन रोमांस देव पटेल के साथ फिल्म को और भी रोमांचक बनाता है, जिससे दर्शक और भी उत्सुक हो गए हैं। इस हॉलीवुड डेब्यू के साथ, सोभिता ने न सिर्फ अपनी अभिनय क्षमता की वर्सेटिलिटी दिखाई है बल्कि हॉलीवुड में और वैश्विक दर्शकों के दिलों में भी आगे बढ़ने का रास्ता बनाया है। यही नहीं सोभिता ने सिनेमा की दुनिया में धूम मचा दी है। वह बीते साल रिलीज़ हुई मणि रत्नम की फिल्म 'पीएम 1 व 2' में नजर आई थीं। लोगों अनिल कपूर स्टारर 'नाइट मैनेजर' में भी उनकी खूब तारीफ की थी। वहीं, उनकी फिल्म मंकी मैन 5 अप्रैल 2024 को रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में सिकंदर खेर भी महत्वपूर्ण किरदार में नजर आ रहे हैं।

कंगना रनौत की पीरियड पॉलिटिकल ड्रामा फिल्म 'इमरजेंसी' १४ जून को होगी रिलीज

चार बार की राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता और समीक्षकों द्वारा प्रशंसित अभिनेत्री कंगना रनौत एक के बाद एक अपने उल्लेखनीय प्रदर्शन के साथ भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में सर्वोच्च स्थान पर बनी हुई हैं। एक दमदार कलाकार, अभिनेत्री अपने बहुप्रतीक्षित आगामी राजनीतिक ड्रामा 'इमरजेंसी' में एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयारी कर रही है, जिसमें वह पूर्व प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी की भूमिका में हैं।

ज़ी स्टूडियोज़ और मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा निर्मित, 'इमरजेंसी' भारतीय लोकतंत्र के इतिहास के सबसे विवादास्पद घटना का एक मेगा बजट चित्रण है। इसके मूल में सर्वकालिक सबसे सनसनीखेज नेताओं में से एक भारत की पहली महिला प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी खड़ी हैं।

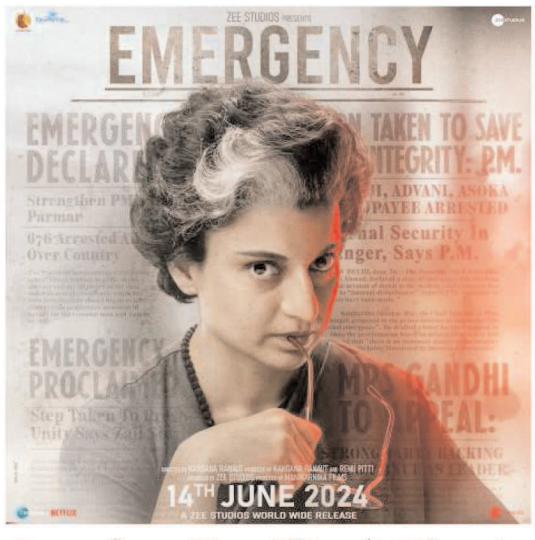

दुनिया भर में एक भव्य रिलीज के लिए निर्धारित, 'इमरजेंसी' 14 जून, 2024 को स्क्रीन पर रिलीज होने वाली है। कंगना रनौत द्वारा लिखित, निर्देशित और निर्मित, फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर एक पोस्टर के माध्यम से की, जिसमें एक अखबार के पहले पन्ने पर उन्हें दिवंगत प्रधान मंत्री के रूप में नज़र आ रही है।

फिल्म पर अपने विचार साझा करते हुए, कंगना रनौत ने कहा, 'इमरजेंसी मेरी सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना है और मणिकर्णिका के बाद दूसरी निर्देशित फिल्म है, इस बड़े बजट, भव्य पीरियड ड्रामा के लिए हमारे पास सर्वश्रेष्ठ भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतिभाएं एक साथ आ रहे हैं।'

'इमरजेंसी' में अनुपम खेर, महिमा चौधरी, मिलिंद सोमन, श्रेयस तलपड़े, विशाक नायर और दिवंगत सतीश कौशिक भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। ज़ी स्टूडियोज और मणिकर्णिका फिल्म्स द्वारा निर्मित, फिल्म का संगीत संचित बल्हारा और पटकथा और संवाद रितेश शाह द्वारा दिया गया है।

Fashion **Zone**

पार्टी में जाते हुए कई बार हम यह समझ नहीं पाते हैं कि **कब कौन सी ड्रेस पहननी चाहिए। यदि आप भी** किसी पार्टी और स्पेशल इवेंट में अटेंशन चाहती हैं तो गोल्डन आउटफिट्स पहनें। यह कलर कभी आउटडेटेड नहीं होता और हमेशा रॉयल लुक देता है।

आपकी खूबसूरती में चार चांद लगाएगा गोल्डन लुक

फुटवियर

हेवी वर्क वाली या शाइनी इफेक्ट वाली गोल्डन ड्रेस के साथ मैच करते हुए फुटवियर अच्छे लगते हैं। इसमें ग्लेडियेटर्स से लेकर कोल्हापुरी चप्पल और फ्लैट्स में भी एक से बढ़कर स्टाइल मिल जाएंगी।

गाउन

यदि आप पार्टी में जाना चाह रही हैं तो ईवनिंग पार्टी के लिए गोल्डन कलर का गाउन परफेक्ट ऑप्शन रहेगा। इसे सीक्वेंस वर्क से भी खास बनाया जा सकता है। आप चाहें तो अपनी पसंद के अनुसार शीयर गोल्डन ड्रेस ले सकती हैं। डेलिकेट एम्ब्रॉयडरी इसकी खूबसूरती और बढ़ाने में मदद करेगी।

अनारकली

गोल्डन कलर अनारकली के साथ आजकल कंट्रास्ट दुपट्टों का चलन है। इसके दामन और दुपट्टे में गोल्डन ऑर्नमेंटल वर्क भी अच्छा लगता है। इसमें आप परफेक्ट दिखेंगी। इस ड्रेस के साथ गोल्डज्वेलरी आप पर बेहद सूट करेगी।

पलाजो

गोल्डन पलाजो की टीमिंग जितनी अच्छी वेस्टर्न वियर के साथ लगती है, उतनी ही एथनिक वियर के साथ भी पसंद की जाती है। इसके लिए टिशू, ब्रोकेड जैसे रिच सिंथेटिक फैब्रिक का खासतौर पर इस्तेमाल कर सकते हैं। ब्राइट कलर क्रॉप टॉप के साथ गोल्डन पलाजो आपको डिफरेंट लुक देगा। इसके साथ स्टेटमेंट ज्वेलरी ट्राय करें।

शर्ट ड्रेस

यदि आप अपने मॉडर्न लुक को बनाए रखना चाहती हैं तो गोल्डन शर्ट ड्रेस ट्राय करें। सगाई से लेकर ईवनिंग पार्टीज में वेस्टर्न वियर का ये ऑप्शन सूट होता है। इसकी बॉर्डर को गोल्डन या सिल्वर मोतियों से सजाकर भी आकर्षक बनाया जा सकता है। कॉलर्ड नेकलाइन रखें। इसमें आप एकदम परफेक्ट दिखेंगी।

एसआइटी ने मांगा समय, पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ नहीं कर रहे सहयोग

अगली सुनवाई 10 फरवरी को होगी

इंदौर। प्रदेशभर में चर्चित रहे हनी ट्रैप कांड में इंदौर जिला न्यायालय में सोमवार को सुनवाई हुई। इस मामले में गठित एसआइटी को कोर्ट के सामने हनी ट्रैप से जुड़ी पेन ड्राइव जब्ती के बारे में तथ्य पेश करना थे। साथ ही पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ से भी पूछताछ करनी थी। हालांकि एसआइटी ने सुनवाई के दौरान जांच के तथ्य और पेन ड्राइव पेश करने के बजाय कोर्ट से समय मांग लिया। कोर्ट में एसआइटी ने विभागीय फेरबदल तो कारण बताया ही, शासकीय अधिवक्ता ने यह भी कह दिया कि मामले की जांच में कमल नाथ सहयोग नहीं कर रहे। अगली सुनवाई 10 फरवरी को होगी।

एसआइटी को कोर्ट के सामने न केवल पेन ड्राइव जब्ती पर तथ्य रखने थे, बल्कि प्रकरण में कोर्ट द्वारा मांगे गए बिंदुओं पर जांच की दिशा भी स्पष्ट करते

हुए जवाब देना था। एसआइटी प्रमुख की ओर से कोर्ट में जवाब प्रस्तुत होना था। सरकार ने एडीजी इंटेलिजेंस रहे विनय कटियार को कुछ दिन पहले ही एसआइटी प्रमुख नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति के बाद हनी ट्रैप मामले में होने वाली यह पहली सुनवाई थी। शासकीय अधिवक्ता ने इसी सरकारी फेरबदल को कारण बताते हुए कोर्ट से समय मांगा। अधिवक्ता ने कहा कि क्योंकि एसआइटी चीफ नए हैं, बीते दिनों से वे ट्रेनिंग पर भी थे। ऐसे में उन्हें प्रकरण में जवाब प्रस्तुत करने के लिए कुछ समय दिया जाए। कोर्ट ने आग्रह स्वीकार करते हुए मामले की सुनवाई के लिए अगली तारीख निर्धारित कर दी। मामले में अगली सुनवाई अब 10 फरवरी को होगी।

सभी आरोपित महिलाएं फिलहाल जमानत पर

बाद में इस मामले की परतें उधड़ती गई तो पता चला कि कुछ महिलाएं हनी ट्रैप के जरिये तमाम सरकारी टेंडर भी हासिल कर चुकी हैं। महिलाओं के पास प्रदेश के कुछ बड़े नौकरशाहों से जुड़े वीडियो होने की बात भी सामने आई थी। आरोपित सभी महिलाएं फिलहाल जमानत पर हैं। पांच वर्ष पुराने इस मामले में जिला न्यायालय इंदौर में सुनवाई चल रही है।

कमल नाथ के पास कैसे पहुंची पेन ड्राइव और सीडी?

21 मई 2021 को पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा था कि उनके पास हनी ट्रैप मामले की सीडी और पेन ड्राइव है। आरोपितों में से एक की तरफ से जिला न्यायालय में आपत्ति प्रस्तुत करते हुए सवाल उठाया था कि यह बात स्पष्ट होना चाहिए कि कमल नाथ के पास यह पेन ड्राइव और सीडी कहां से और कैसे पहुंची।

हरभजन ने की थी शिकायत

हनी ट्रैप मामला सितंबर 2019 में सामने आया था। इंदौर नगर निगम के चीफ इंजीनियर हरभजन सिंह ने पलासिया पुलिस थाने में लिखित शिकायत की थी कि कुछ युवतियां उन्हें अश्लील वीडियो के नाम पर ब्लैकमेल कर रही हैं। ये युवतियां तीन करोड़ रुपये की मांग कर रही हैं। पुलिस ने शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पांच महिलाओं को गिरफ्तार किया था। इंदौर की एक होटल में ये वीडियो बना था।

एसआइटी को कोर्ट में देना था यह जवाब

इस पर एसआइटी ने कोर्ट को बताया था कि कमल नाथ से पेन ड्राइव और सीडी जब्त करने के लिए उन्हें नोटिस जारी किया गया है। सोमवार को होने वाली सुनवाई में एसआइटी को यही बताना था कि नोटिस जारी करने के बाद क्या हुआ। कमल नाथ ने नोटिस का क्या जवाब दिया और क्या एसआइटी ने उनसे पेन ड्राइव और सीडी जब्त कर ली है।

बोर्ड परीक्षा के बाद सीयूईटी यूजी में होंगे रजिस्ट्रेशन, एनटीए फरवरी से शुरू करेगी प्रक्रिया

इंदौर। अगले महीने से एमपी बोर्ड और सीबीएसई की 12वीं कक्षा की परीक्षा होनी है। इसे लेकर नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने सीयूईटी यूजी कोर्स से जुड़ी प्रक्रिया कुछ दिनों के लिए आगे बढ़ाई है। एजेंसी ने फरवरी के अंतिम सप्ताह से यूजी कोर्स की प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू करने का विचार किया है। इससे पहले शैक्षणिक संस्थानों को स्नातक पाठ्यक्रम के बारे में एजेंसी को जानकारी देनी है। एजेंसी के मुताबिक, बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थी व्यस्त रहेंगे। इस वजह से छात्र-छात्राओं को पंजीयन करवाने में दिक्कतें होंगी। इसलिए प्रक्रिया को परीक्षाएं खत्म होने के बाद शुरू किया जाएगा।

देशभर के शैक्षणिक संस्थानों से संचालित यूजी और इंटीग्रेटेड पाठ्यक्रम में प्रवेश को लेकर सीयूईटी यूजी करवाई जाती है। लगभग 250 से ज्यादा संस्थाओं के लिए परीक्षा होगी।

इसके माध्यम से देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों से संचालित 22 से ज्यादा पाठ्यक्रम में विद्यार्थियों को प्रवेश दिया जाता है। सीयूईटी तीसरे चरण में पहुंच चुकी है, जिसमें यूजी कोर्स के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होना बाकी है।

मई-जून के बीच हो सकती है सीयूईटी-एजेंसी ने इस बार परीक्षा जल्द करवाने पर जोर दिया है। कारण यह है कि कई विश्वविद्यालयों ने परीक्षा में देरी से प्रवेश प्रक्रिया प्रभावित होना बताया है। उनके मुताबिक, पाठ्यक्रम के लिए काउंसिलिंग सितंबर से पहले शुरू नहीं होती है। ऐसी स्थिति में हजारों विद्यार्थी अलग-अलग संस्थानों में प्रवेश लेते हैं। संस्थानों की इस समस्या से निपटने के लिए इस बार सीयूईटी मई-जून के बीच होने की उम्मीद है। वैसे अभी तक सीयूईटी यूजी को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई है।

जल्द जारी हो सकता है शेड्यूल-एजेंसी ने सीयूईटी पीजी की प्रक्रिया दिसंबर में शुरू कर दी। इससे यह संकेत मिल रहा है कि एजेंसी यूजी को लेकर अगले कुछ सप्ताह में शेड्यूल जारी कर सकती है। देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के सीयूईटी समन्वयक डा. कन्हैया आहूजा का कहना है कि यूजी-इंटीग्रेटेड कोर्स में पंजीयन प्रक्रिया में थोड़ा समय लगेगा, क्योंकि बोर्ड परीक्षाओं में विद्यार्थी व्यस्त हैं। यूजी कोर्स की जानकारी अभी एजेंसी ने नहीं मंगवाई है। संस्थानों से कोर्स और सीट संख्या तय होने के बाद रजिस्ट्रेशन शुरू किए जाएंगे।

सांसद शंकर लालवानी को कोर्ट से राहत, आचार संहिता उल्लंघन में दोषमुक्त

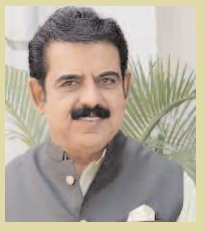

इंदौर। सांसद शंकर लालवानी को धार्मिक संस्था के दुरुपयोग और आदर्श आचार संहिता उल्लंघन के आरोपों से मुक्ति मिल गई है। सोमवार को इंदौर की जिला कोर्ट ने यह निर्णय सुनाया। मई 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान लालवानी के खिलाफ धार्मिक संस्था के दुरुपयोग प्रतिषेध अधिनियम 1988 की धारा 6 व 7 में प्रकरण दर्द हुआ था। खजराना गणेश मंदिर के पुजारी अशोक भट्ट को भी इसमें आरोपित बनाया गया था। चुनाव आयोग की ओर से यह एफआइआर दर्ज करवाई गई थी। लोकसभा चुनाव के दौरान प्रत्याशी शंकर लालवानी खजराना गणेश मंदिर पहुंचे थे। पूजा के दौरान उन्होंने भगवान गणेश को भाजपा के झंडे के रंगों का चोला अर्पित किया था। पुजारी ने पोशाक भगवान को पहना भी दी थी। इसके बाद शिकायत पर चुनाव आयोग ने पहले लालवानी से जवाब मांगा था और फिर एफआइआर दर्ज करवा दी थी।

कोर्ट में 12 गवाह हुए पेश-लालवानी के वकील अमितसिंह सिसौदिया के अनुसार, धार्मिक संस्था का दुरुपयोग प्रतिषेध अधिनियम-1988 में प्रविधान है कि धार्मिक स्थल या संस्थाओं का राजनीतिक कार्य के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता। प्रकरण की सुनवाई के दौरान कोर्ट में 12 गवाह पेश हुए। जिरह और तर्क के बाद कोर्ट ने आरोपितों को दोषमुक्त घोषित किया।

आयुष्मान कार्ड से निजी अस्पतालों में मुफ्त इलाज की सुविधा

इन्दौर। राज्य शासन द्वारा प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना संचालित की जा रहीं है। जन आरोग्य योजना का लाभ लेकर अनेक लोग अब निजी अस्पतालों में अपना मुफ्त इलाज करा रहे है। पैसों के अभाव में निजी अस्पतालों में अपना इलाज नही करा पाने वाले हितग्राहियों के लिए आयुष्मान कार्ड वरदान साबित हुआ है। आयुष्मान कार्ड से लोगो को निजी अस्पतालों में भी अपना 5 लाख तक का मुफ्त इलाज कराने की सुविधा मिल रही है। आयुष्मान कार्ड भविष्य में किसी भी प्रकार की बीमारी या दुर्घटना होने पर मददगार होता है। आयुष्मान कार्ड से वे निजी अस्पताल में भी अपना 5 लाख तक का मुफ्त इलाज करा सकते है। राज्य शासन ने प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना चलाकर अनेक जरूरतमंद लोगो की बीमारी या दुर्घटना होने पर मददगार सबित हुई है।

ई-रिक्शा के रूट तय करने को लेकर चालकों में आक्रोश, संभागायुक्त को सौंपा

इंदौर। शहर में ट्रैफिक सुधार के लिए परिवहन विभाग और ट्रैफिक विभाग ने ई-रिक्शा के रूट तय किए हैं। शहर में 23 रूट बनाए गए है। इसे लेकर ई-रिक्शा चालकों में आक्रोश है। सोमवार को चालकों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर संभागायुक्त को ज्ञापन सौंपा।

इससे पहले सुगनी देवी महाविद्यालय प्रांगण में आयोजित बैठक में सात मांगों पर सहमति बनी। रोजगार छीनने से परेशान चालकों ने तय किया है कि मुख्यमंत्री के आगमन पर बैटरी रिक्शा की चाबी सौंपी जाएगी। ई-रिक्शा चालक महासंघ द्वारा ई-रिक्शा के रूट तय करने के विरोध में चालकों ने बैठक आयोजित की।

जिला प्रशासन ने दिया था आश्वासन-महासंघ के संस्थापक राजेश बिडकर, आदित्य पवार, अर्चना शर्मा ने बताया कि शहर में ई रिक्शा लॉन्चिंग के दौरान जिला प्रशासन ने आश्वासन दिया था कि बैटरी रिक्शा पूरे शहर में चलेगी। परंतु अब नए नियम से बैटरी रिक्शा चालकों का संचालन करना मुश्किल हो जाएगा।

आरटीओ में रजिस्टर्ड हैं 5500 ई-रिक्शा-इंदौर शहर में 5500 बैटरी आटो रिक्शा इंदौर आरटीओ में रजिस्टर्ड है। रूट का नियम आने के बाद में व्यापार व्यवसाय ठप हो जाएगा। रूट तय करने के पहले ई रिक्शा यूनियन को विश्वास में नहीं लिया गया। एक रूट पर 300 गाडियां चलेगी।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी जयश्री जैन द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स 13, प्रेस कॉम्प्लेक्स ए.बी. रोड इंदौर से मुद्रित एवं 22, प्रेस काम्पलेक्स, प्रेस हाऊस, ए.बी. रोड इंदौर 452008 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. राजेश जैन, मो. 9425322301 (डाक पंजीयन MP/IDC/1462/2016-2019)